दो साल बाद नाना आबा सहित अन्य दो मित्रों के साथ राजस्थान के पिलानी बिडला कालेज पहुंच गए। नाना की जन्मजात प्रतिभा का प्रभाव यहां भी दिखने लगा। पढाई के साथ ही संघ कार्य की भी मन में ठानी थी। उसके लिए कडी मेहनत करने लगे। यहां कई रंगों में नजर आयी।
यह देखो 18 रूपए की जापानी साइकिल। अब इस पर घूम घूमकर संघ का कार्य करेंगे।
अरे नाना, सभी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार पाकर तुमने धन एकत्र करने का क्या उपाय खोजा है।
भाई, चित्रकला हो या अभिनय, भाशण हो या कबड्डी। हर जगह नाना ही नाना।